# B.Ed. llnd year

## Paper . 4 Assessment for Learning

## Unit – 3

**प्रश्न क्या हैं?**

कक्षा कक्ष गतिविधि में प्रश्न एक ऐसा उपकरण, तकनीक या विधा हैं, जो विद्यार्थी की समझ के स्तर को दर्शाता है। एवं विद्यार्थी की किसी विषय या बिंदु पर समझ नही बन पाई हैं, इसकी जांच करता है। प्रश्न विधि के प्रवर्तक सुकरात है।

**प्रश्न पूछने के उददेश्य** –

- प्राप्त ज्ञान की जानकारी
- चिंतन क्षमता का विकास
- शिक्षक– छात्र में संबंध स्थापन
- शिक्षक की सफलता व छात्र प्रदर्शन के मूल्यांकन हेतु
- मस्तिष्क ध्यानाकर्षण हेतु।
- कार्य उददेश्य की प्राप्ति की जांच।

**प्रश्न पुछने का महत्व** –

- चर्चा में प्रोत्साहन हेतु।
- विद्यार्थी की रूचि क्षेत्र जानने।
- सीखनें में सुधार हेतु।
- सारांशीकरण हेतु।
- पुनर्बलित करनें।
- पुनःरीक्षण/निरिक्षण के लिए।
- शिक्षण मूल्यांकन के लिए।

**अच्छे प्रश्न की विशेषता** –

एक अच्छा प्रश्न संक्षिप्त, स्पष्ट, व्याकरण में शुद्ध, सामान्य समझ की शब्दावली में, विचारों को आमंत्रित करनें वाला, स्पष्ट दिशा–निर्देश, सकारात्मक, उददेश्य आधारित व विभेदन क्षमता के गुणों से युक्त होना चाहिए।

**कक्षा–कक्ष शिक्षण प्रश्नों के प्रकार** –

कक्षा–कक्ष गतिविधियों के दौरान शिक्षक मुख्यतः 60%प्रत्यास्मरण के प्रश्न, 20% ऐसे प्रश्न होते है जो विद्यार्थी क्या सोचते है या क्या विचार रखते है, से संबंधित आवश्यकता प्रश्न होते है। तथा अन्य 20%प्रकिया या विकासात्मक प्रश्न होते है।

इसके अलावा कक्षा शिक्षण में शिक्षण–अधिगम प्रकिया के तहत् पाठ के विकास में विभिन्न प्रकार के प्रश्न विभिन्न उददेश्य प्राप्ति के लिए पूछें जाते है, जिन्हें हम निम्न भागों में बांट सकते है –

1. प्रत्यास्मरण प्रश्न / तथ्यात्मक प्रश्न Rote/ Factual Questions – ऐसे प्रश्न जिनका उत्तर तथ्यों, परीभाषा, सूत्र इत्यादि को रटकर प्रदान किया जाता है। किसी विशिष्ट सिद्धांत, नियम, जानकारी को स्मरण करने हेतु इसका उपयोग किया जाता है। उदाहरण– भारत की राजधानी का नाम बताइए? पानीपत का युद्ध किस सन् में हुआ? WHO के प्रमुख कौन है?

2. अनुबोधन Prompting प्रश्न – यह प्रश्नों की वह सूची या श्रृंखला होती है, जो बालक के प्रथम अनुकिया/उत्तर से तथ्यों तक ( वांछित उत्तर प्राप्त ) पहुचानें का कार्य करती है। जब सही उत्तर प्राप्त नही होता तब शिक्षक सही उत्तर तक पहुचानें छोटे–छोटे क्लू देता है एवं सही उत्तर तक पहुंच बनाता है।

   जैसे – अपने कथन को समझाओं? अपने कथन को स्पष्ट करें? क्या होगा जब हम पानी को गर्म करेंगें? इस प्रकार बादल में पानी कहां से आया?

3. अपसारी या divergent Questions – यह व्वमद मदकमक प्रश्न होते हैं, एंसे प्रश्नों का कोई निश्चित सही उत्तर नही होता बल्कि व्यैक्तिक विचारों व मतों के अनुरूप भिन्नता होती है।

   उदाहरण क्या होगा जब पृथ्वी पर बर्फ जम जाएं?

4. बंद / अभिसारी / convergent/polar/ closed प्रश्न – कक्षा में ध्यान आकर्षण के लिए पुछें जाने वाले छोटे–छोटे प्रश्न जिसका एक निश्चित उत्तर होता है।
   जैसे – हमारे सौरमंडल में कौन कौन से ग्रह हैं?

5. HOT अर्थात उच्च चिंतन आधारीत प्रश्न – ऐसे प्रश्न जो विद्यार्थी ज्ञान की जांच रटने के अलावा तथ्यों के सामान्यीकरण, समझ, संश्लेषण, विश्लेषण, मूल्यांकन व प्रयोग के आधार पर करते है।
   जैसे –
   - मूल्यांकन – ऐसे प्रश्न जो किसी तथ्य संबंधी मूल्य, निर्णय, चयन को दर्शाता है।
     जैसे – नवीन शिक्षानीति व कोठारी आयोग द्वारा दी शिक्षा नीति में से किसे सामुदाएिक सहभागिता की दृष्टि से उपयोगी मानोगें व क्यों?

- निष्कर्षात्मक Inference प्रश्न – यह आगमन एवं निगमन प्रकार के प्रश्न होते है, जिसका उपयोग किसी तथ्य की पुष्टि के लिए किया जाता है। इनका उपयोग पाठ के विकास में किया जाता है।
  जैसे – गणित के प्रमेय तथा आर्कमिडिज का सिद्धांत इत्यादि।
- तुलना प्रश्न Comparision – तथ्यों के बीच समानता या अंतर को जाननें के लिए इस प्रकार के प्रश्नों का उपयोग किया जाता हैं
  जैसे – सजीव व निर्जीव में अंतर बताइए?
- अनुप्रयोगात्मक Application based प्रश्न – सैद्धान्तिक तथ्यों, जानकारी को दैनिक जीवन में उपयोग से संबंधित प्रश्न अनुप्रयोगात्मक ।चचसपबंजपवद प्रश्न होते है।
  जैसे – हमें एसिडीटी की समस्या का क्या कारण हैं?
- समस्या समाधान प्रश्न Problem Solving – पुर्व में अर्जित ज्ञान का प्रयोग कर किसी समस्या का समाधान निकालना।
  जैसे – पेरेंटिग बालक के व्यवहार में किस प्रकार प्रभाव डालता है?

6. सकारात्मक / पुनर्बलक / affirmative प्रश्न – ऐसे प्रश्न जो विद्यार्थी की रूचि जानने या उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए किए जाते है।

   जैसे इसके बारे में आप क्या चाहोगें? आप क्या सोचते हों? यह क्यों महत्वपूर्ण हैं?

7. संरचित Structured प्रश्न – कक्षा में पाठ को संरचित करने या पाठ को आगे बढ़ाने में प्रयूक्त होते है।

   जैसे – कोइ और प्रश्न हैं? आगे बढ़े? क्या इसे फिर से बताएं?

8. परावर्ती प्रश्न या refelective – ऐसे प्रयन जो स्वयं के चिंतन पर आधारित होते है। इसका उपयोग कार्य को अधिक प्रभावशाली व सुधार करने सहायक होते है।

   जैसे – आपके सीखने का तरीका learning style क्या है।

## प्रश्नों के अन्य प्रकार

हां / नही उत्तर वाले प्रश्न

- प्रश्न
  - Wh प्रश्न
  - Tag प्रश्न

- प्रश्न
  - प्रस्तावना प्रश्न
  - जिज्ञासा प्रश्न
  - विकासात्मक प्रश्न
  - अनुप्रयोगात्मक प्रश्न
  - बोधात्मक प्रश्न
  - पुनरावलोकन प्रश्न
  - मूल्यांकन प्रश्न
  - निदानात्मक प्रश्न

- प्रश्न
  - बंद प्रश्न
  - खुले प्रश्न

- प्रश्न
  - बहुविकल्पीय प्रश्न
  - निबंधात्मक प्रश्न
  - चयन प्रश्न